



**NIRMAN IAS**

**TEST SERIES**

996 1st Floor Mukherjee Nagar  
(Near Gandhi Vihar Bandh) Delhi-110009

Ph.: 011-47058219, 9911581653,  
9717767797

GS ANSWER SHEET - 1

09 JULY 2017

Name Vijay Singh Gurjar  
Subject GS Mains Paper-MO-2

E-mail \_\_\_\_\_

Contact No. 9968626691

Test ID \_\_\_\_\_

Registration ID \_\_\_\_\_

**EVALUATION PARAMETERS**

1. Introduction
2. Context Understanding
3. Content Understanding
4. Language Understanding
5. Structure Presentation Understanding
6. Conclusion

**REPORT CARD**

1.			
2.			
3.			
4.			
5.			
6.			
7.			
8.			
9.			
10.			
11.			
12.			
13.			
14.			
15.			
16.			
17.			
18.			
19.			
20.			
21.			
22.			
23.			
24.			
25.			

- ☞ No candidate would be permitted to leave the examination hall without prior permission of the invigilator.
- ☞ Do furnish the appropriate details in the answer sheet (viz. Name, Registrations ID and Test ID).
- ☞ The candidate (himself/herself) should fill the Index columns.
- ☞ Nothing should be written in the right and left margin.
- ☞ The candidate should not write anything in the answer sheet that which derogates the dignity of the organization.

Total Marks Secured

82

Remarks:

Signature of Examiner

*ग्रन्थालय में अचूक विद्या का समर्पण  
करने वाले एवं उत्तम विद्यार्थी  
संघर्ष करते हैं।  
संघर्ष करते हैं।  
उत्तम विद्यार्थी  
उत्तम विद्यार्थी*

1. गान्धार कला की मूर्तियों को देखने से बोध होता है कि मूर्तिकारों के हाथ यूनानी व रोमन थे किन्तु हृदय भारतीय था।

Observing the idols of Gandhara art, it is realized that the hands of sculptors were Greek and Roman, but the heart was Indian. (अंक 12.5) (शब्द 200)

गान्धार कला की मूर्तियाँ आठवीं  
 शुनानी तथा रोमन मूर्तिकला का  
 मिश्रित रूप हैं। आठवीं शताब्दी  
 की मूर्तियाँ की मूर्तियाँ शुनानी  
 देवता अपोलो की तरह काढ़ा  
 हैं। रोमन मूर्तिकला के  
 लक्षण लग्ने हाथ तथा शांत मुद्रा की  
 उसके द्वारा किया जाया है।

पूर्ण  
 विष्व  
 विष्व

1/2



इस पाग में  
कुछ न लिखें  
(Don't write  
anything in  
this part)

Ques. No. \_\_\_\_\_  
Question No. \_\_\_\_\_



Ques. No. \_\_\_\_\_  
Ques. No. \_\_\_\_\_  
(Don't write anything in this part)

2. मध्यकाल की वास्तुकला न सिर्फ़ कलात्मक पक्षों बल्कि उस समय की राजनैतिक-समाजिक व आर्थिक अकांक्षाओं को भी प्रस्तुति करती है। किसी एक उदाहरण को लेकर स्पष्ट करें।

Medieval architecture not only represents artistic aspects but also political, social and economic aspirations of that time. Explain with one example.

(अंक 12.5) (शब्द 200)

~~मध्यकाल के मुख्यतया मुगलों के काल में  
व्यापक वास्तुकला हुआ। वास्तुकला तथा  
सूचित करना में लाकाली राजनैतिक-लोगोजिक  
तथा आर्थिक आकांक्षाओं की प्रस्तुति  
मिल जाती है।~~

~~मध्यकाल के मुख्य वास्तुकला में  
कुनूर शहर, लोल किला, आगरा का  
लोलकला, तोजगढ़, दुमाचु द्वारा दो  
मकबरा, सोदलराम का भवन, ऊगलगढ़-  
हितीडगढ़ के कुर्चि, राणकुर के जैन  
मंदिर इन्हाँहि प्रमुख हैं।~~

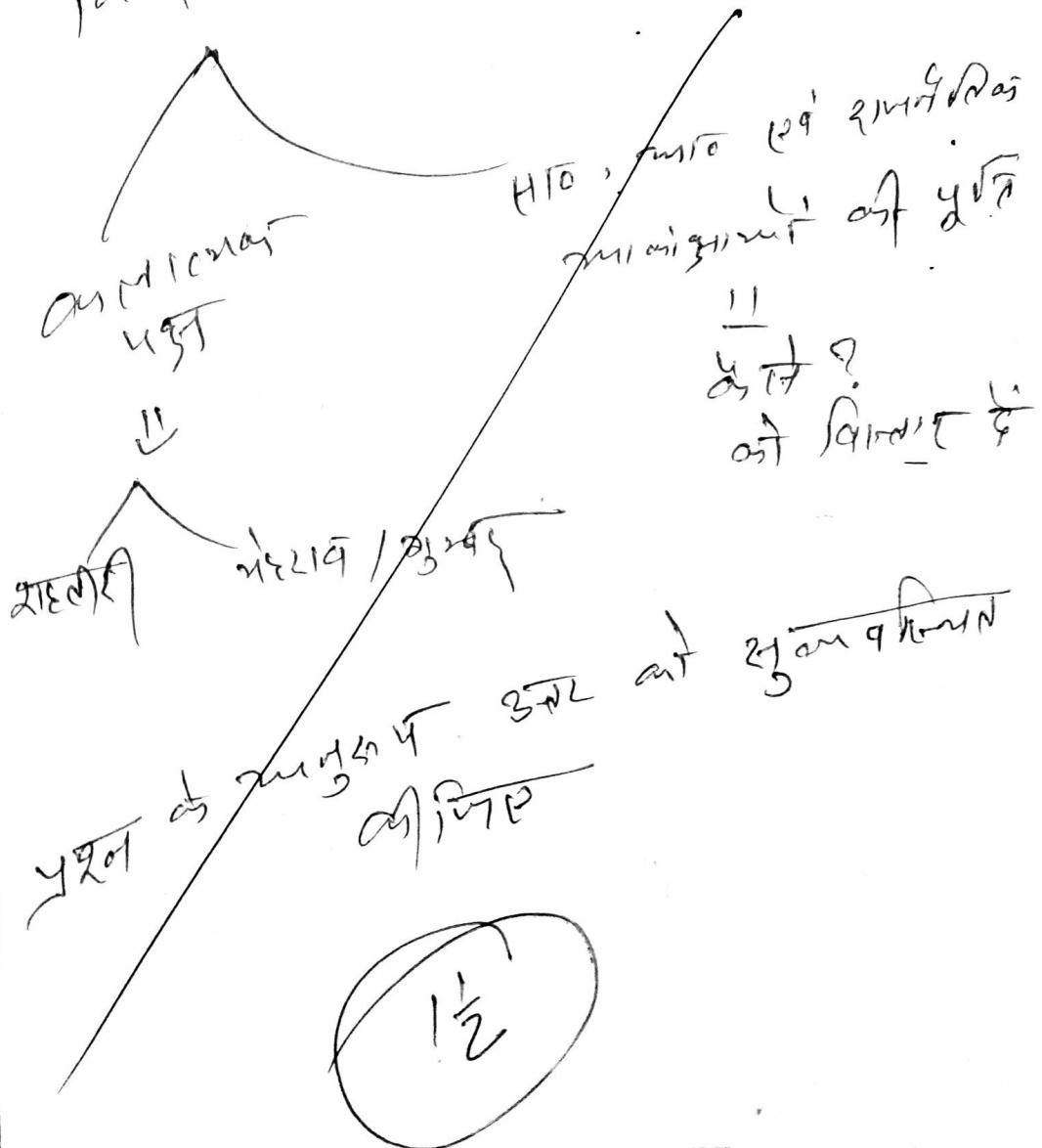
~~लोलकिले के आम-महल तथा  
आल महल तात्मालीन मुगल द्वारा बनाया  
तथा राजाओं द्वारा भवन का नाम दिया  
है। आगरा के हितीय राजधानी बना।~~

अफ़ग़ान की दक्षिण ओरती ओ  
मुरल्य नाम रहा । अजमैर मे  
भक्ति के लिए को निमंगि राजपूत  
राजाओं पर नियंत्रण के उद्देश्य से  
कावया गया । उत्तराधीन ऐवज छाप  
संस्कृत पाठ्यालाकों को नोड़कर छाप  
लि का छोपड़ा या छुटुकमीमार कावना  
मुस्लिम संस्कृत के उद्देश्य की ऐला  
दशाति है । विजय इतिहास नया ।  
कीर्ति इतिहास का निमंगि राजसी  
संवारचता के घंटीरी हेतु कावया  
गया ।  
लाकाली निमंगि । न सामरिक  
तथा आधिक पदलुओं को व्यापक  
शब्द रखा गया । किनों मे' लोपो  
के कावयाओं तथा गोलों को निमंगि

पिंड जाता है। 391 अंचल 56)

आकृति के द्वारा समाप्ति सौंदर्य  
तथा विद्यु राजाओं को साथ छोड़ते हुए  
हेतु देखते हैं निम्नि क(नीचा) पारा।

पिंड 197 391 अंचल 56)



3. यदि ब्रिटिश के युद्ध में अंग्रेजों को हार हो जाती, तो प्लासी की विजय भारत के इतिहास में एक कहानी मात्र बनकर रह जाती- चर्चा करें।  
If the British were defeated in the Battle of Buxar, Plassey's victory would have become mere a story in India's history. Explain (अंक 12.5) (शब्द 200)

1757ई. की जीत के बारे में  
के फ़ैलाफ़ बंगाल के नियन्त्रण में  
शासक तथा ब्रिटिश द्वारा की गई  
हुई थी। 1764में ब्रिटिश ने  
चुह किया। इस घुह में पराजय हो  
अंग्रेजों की लोपेस धार्मिकी और श्रावणी  
बंगाल में हो गई। बंगाल के सभी  
तथा राजाओं पर उनका आधिकार हो  
गया। ब्रिटिश के घुह को नांगल  
गाँव की वातिका लता दी  
उदय माना जाता है। अतः इन  
घुह द्वारा ब्रिटिश के उपर्युक्त अंग्रेज  
तथा ब्रिटिश की जीत के दृष्टि में  
प्रत्येक विषय का अधिकार हो गया।  
प्रत्येक विषय का अधिकार हो गया।

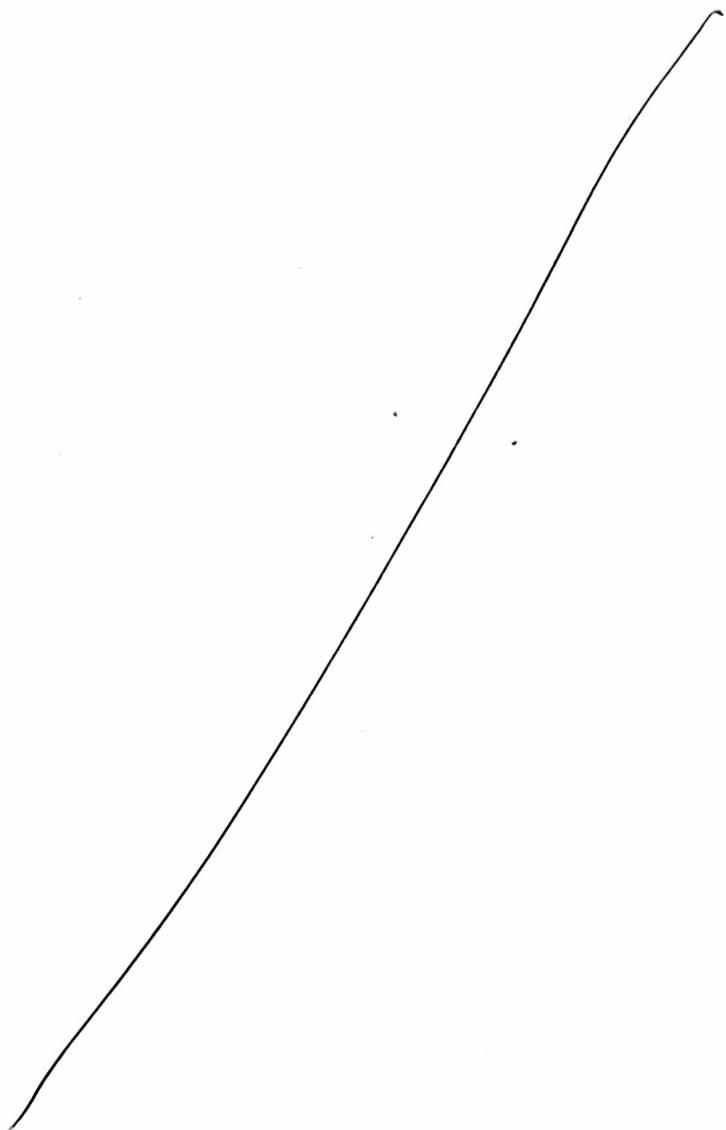
नियमित हो गए। जोकि लोगों के पास  
वाईचारिक का फूलता उठाते रहते हैं वे  
ही होते। विंगाल की इच्छिता को  
सहाया करके उन्होंने एक बड़ी  
आर्थिक गांवित्री को बनाया दिया,  
जो लोगों को अपनी जगहीं के लाल  
समाज अपने अधिकार दिया। अपने  
नुस्खों परिवर्तन-दियों मुख्यतया कोल का  
विंगाल नाम आते हुए बना रखा।  
यहि कला के युद्ध का  
परिवार विपरीत होता हो नियमित उप  
कर दिया आविष्यक आते हैं लोगों  
नहीं ही पाता। वरन् की हाँ ऐसे  
जोहोर जो आर्थिक शास्त्रों तथा नुस्खों  
परिवर्तन-दियों की जो आते हैं मुख्यतया  
नहीं हो पाते। अतः कला को

2½



इस भाग में  
कुछ न लिखें  
(Don't write  
anything in  
this part)

अपनी ही वजह से अपनी ही वजह से  
ज़्यादा बहुत कम हो जाता है।



4.

चम्पारन सत्याग्रह ने गांधी के आदर्शों व प्रयोगों की भारत में न सिर्फ सफल शुरूआत कराई बल्कि उनके नेता से महात्मा बनने की मजबूत नींव भी रख दी।

Champaran Satyagraha not only introduced success of Gandhi's ideals and experiments in India but also made a strong foundation for becoming a Mahatma from leader. Discuss  
(अंक 12.5) (शब्द 200)

गांधीजी के नाते आगमन के पर्याप्त हैं  
तात्कालीन किसी राजनीतिक विचारधारा से =>  
सद्गुरु नहीं थे। अब अहिंसा, सत्याग्रह एवं  
प्रोप्रोग्राम की विचारधारा वहाँ भी छाप दी  
हैं। नीति की लेनी के लिए  
विवाद को लेकर गांधीजी के सर्विधान  
विचारणा का दारा किया। जाहिलाइया। 8/1  
वर्षागत छोड़ी के आदेश का उल्लंघन कर  
आयोग का गठन करवाया तथा नील  
की लेनी की कलाई एवं संनीष्ट राजनीति  
विवरण को छविवाया।  
वर्षागत में सर्विधान गांधीजी  
ने खाविये अबका आदोलन भी जो  
सफल न हो। अहों गांधीजी को  
मार्डीय जनता की अहमागिता नहा

राजनीतिक  
विचारधारा  
से उग्रील  
परिवर्तन

हृष्टता का नियाल हुआ। ३-६ वर्षा

कि पुरी जन्माई, हृष्टता तथा इमानदारी  
में जनता को अधिकारी और उन्नाद  
जाए तो वह किसी भी ताकत के  
समझ सफल हो सकता है।

चंपाठी में या केवल इसके अगाह  
मालिकों के नियाचारों का अनेक विचार  
हुआ अधिक गोचरीनी ते आपने  
संघर्ष, अटिंसा तथा सत्याग्रह के  
प्रयोगों का उचित उपाय भी किया।

चंपाठी की सफलता तक आरतीय  
राजनीतिज्ञ नवा जनता विदार्ह के इन  
दृष्टिभावों के अनुरिके ही थे। चंपाठी

की सफलता के पश्चात् गोचरीनी की  
नो केवल भूमारी के अधिक  
अनेक अटिंसा तथा सत्याग्रह को



~~आतीय राष्ट्रीय आंदोलन के योगमय  
रूपाने दी जाएं। इसका उद्देश्य उत्तराधि-  
कारियों, अधिकारी अवकाश तथा आले-  
चले आंदोलन के लिये। इसका  
उद्देश्य आंदोलन के विरुद्ध को  
महामारी को बढ़ाया।~~

प्रति वर्ष एक वर्ष  
एक वर्ष समाप्त होता है।

32 + 1

प्रति वर्ष एक वर्ष  
एक वर्ष समाप्त होता है।

प्रति वर्ष



3. 1835 का अधिनियम एक मंसी गाड़ी की तरह था, जिसमें लोक भी लोक भी उत्तीर्ण रहते हैं।  
The Act of 1835 was like a vehicle that had many breaks and this engine was missing.  
(अनु 13.8) (पृष्ठ 399)  
Discuss.

1835 के अधिनियम एक लोक भी  
लोक भी लोक भी लोक भी  
लोक भी लोक भी लोक भी |  
गवर्नर और कॉलेक्टर वे लोक भी |  
से लिंगी लाल, लाल, लाल, लाल, लाल,  
लाल लाल लाल लाल लाल |  
लाल लाल लाल लाल लाल लाल |  
पर | लिंगी लाल लाल लाल |  
गवर्नर और कॉलेक्टर वे लोक भी |  
कट्टिया लालियादू लोक भी लोक भी  
लोक भी |  
कट्टिया लालियादू लाल लाल |  
परिषद् में गुरुगः ५०८.४३१ १/३ १९८८  
रजनाड़े दो लिंगी लालियादू लोक भी लोक  
गालीग लोक लोक लोक लोक लोक लोक  
लोक लोक लोक |

राज्यों, देशी राज्यों वा गिरिधारों से  
गिरजारूप देश का नियंत्रण होना था। यह  
संघ कर्मी आस्तित्व में 18वीं शताब्दी [6वीं]

~~उद्यादा भृत्यवधुर्मुखी लोकहो~~ का  
नियन्त्रित भृत्यवधुर्मुखी रथा राज्य परिषद् का  
नियन्त्रित उत्तरास करनामा स्वीकृत व्यवस्था  
में विपरीत था।

गवर्नर् इलाके के विभिन्न विवरणों की  
अनुमानि के बिना अव्याहोरो जाति का  
सकता था। विवेचकों को रोक सकता था।  
तथा विनीय कर्त्तवीय का सकता था।

-राज्यों का पृथक् स्वतंत्र आस्तित्व  
क्षेत्र भारतीय संस्कृता की सकारात्मक  
दिला गया। राज्य नाम को बद्धा पुंचाए  
की जांचित भावना में।

वर्षों 1935 के मध्यमें न  
विना योजना का संबंध, बिना आधिकारी की  
के द्वितीय प्रोक्तार, मजबूत गवर्नर् भावल,

गवर्नर्  
भृत्यवधुर्मुखी  
जाति का  
सकता था।  
गवर्नर्  
आस्तित्व  
करनामा  
स्वीकृत  
व्यवस्था  
में विपरीत  
था।

Nirman IAS Test Series  
को नियन्त्रित  
मानिया जाए।



कुनी धरकाटे के पास विशेष तथा  
प्रशासनिक अधिकार रही होना ऐसे कानून  
एवं नियम की अधिकार विदीत कानून

का

42x1

6. पटेल व नेहरू दोनों ही गांधी के सच्चे अनुयायी थे किंतु कई बिन्दुओं पर दोनों के विचारों में  
मतान्तर भी दिखाई दिया। किसी एक उदाहरण को लेकर उनकी एप्रोच के अंतर को बतायें और  
क्या नेहरू की बजाय पटेल की एप्रोच ज्यादा व्यवहारिक थी।

Both Patel and Nehru were true followers of Gandhi, but on many occasions their points of view were different. Patel's approach was more practical than Nehru, explain with an example.  
(अंक 12.5) (शब्द 200)

~~सरदार पटेल तथा पर्सेप्टर दोनों ने~~  
गांधीजी के आहिंसा, लक्ष्यानुसार तथा राष्ट्रीय  
विचारों को स्वीकार तथा अपनाया। अनेकों  
मांडल्य वापस लेने पर नेहरू ने नाम्भरी  
जताई वही पटेल, गांधीजी के संरक्षण थे।  
बांग्ला के 1923 के छावों के बाबत  
पर नी दोनों ने दोराया था। पटेल  
गांधीजी के स्वतन्त्रता, आदि, लक्ष्यानुसार  
से उल्ला के साथ राष्ट्रीय हितों को  
वरीयता इस भौतिक नेहरू अंतराष्ट्रीय  
भूमि के अत्यधिक छायी तथा आत्म को  
निश्चय के धनाम के बहुत ज्यादा आकर्षित  
ही।

1948 में जब आमनी पर पाठ

~~नेहरू नाम्भरी के साथ~~  
प्रधानमंत्री के साथ  
प्रधानमंत्री 1949  
निश्चयादि  
के अक्षियों  
परेल  
प्रधानमंत्री  
प्रधानमंत्री के  
मालिनी  
प्रधानमंत्री

~~प्रश्न~~

॥

~~प्रश्न~~

समर्थित काकरविद्यार्थी ने इसला लिया हो

वेद शुद्धि की संस्कृत राष्ट्र की लोक  
गांधी जयन्ति उत्सव पर्वत का मन था

कि पर्वत के ऊपर वर्षा लगावी पर  
आत्मिय सेना का कला हो, उसके

बाद संस्कृत राष्ट्र नाना संवादों में चुल्हा

संस्कृत राष्ट्र ने दोनों सेनाओं को चुल्हा  
चुल्हों को विराम की सलाह दी गया जामना

संग्रह का धनतया रखा। उसी दूरी  
शर्मी पाल सेना का बहा हु के उत्तरा

उत्तराधिकारी आज-एक इतका निर्माण नहीं  
हो सका। शर्मी चुहे में आत्म

दीर्घिमांशु विलय की पक्ष था पुरा शर्मी पर  
पर दाम्पत्य अधिकार के बिना संस्कृत राष्ट्र में

ज्ञाना शायद आत्मिय नेतृत्व की

भूल थी। इन विषयों के सहित  
पटेल का मत ज्यादा व्यावहारिक था।  
अगर उनकी ललाह ली होती तो शायद  
कम्पी का लालू नहीं कहता।  
अपने कानूनों के पश्चात दौरा  
मिलीजी के इति समर्पित थे तथा  
देशभक्ति के मिलकर जारी करते थे।

(41)  
2

7. 70 साल बाद भी यह प्रश्न बना हुआ है कि "क्या भारत का विभाजन अवश्यक था?"  
Even after 70 years, the question is whether the partition of India was inevitable.  
(अंक 12.5) (शब्द 200)  
Discuss.

भारत में आजादी की ख़ुली बँटवारे के दद्दि के साथ आरं भी। सरतंतरा औंडोलन के प्रथम अरण के पश्चात् (1857) ही बँटवारे की घटेबा भँटेजो ने तैयार करना शुरू कर दिया था। 1857 के बाद मुस्लिमों को पृथक जगे का छयास, 1909 में सांघर्षिक धनाव भूलाली की स्थापना, 1919 में विट्ठल, 1940 में मुस्लिम लीग की स्थापना को भूलाल, कांग्रेस नवा लीग में समझौता, 1940 के दशक के बाद मुस्लिमों को अलग रख देते उल्लास देसे भार्ये दें जिहाने नात के विभाजन की नींव तैयार की।

आतीय संघ को लेकर नेहरू नवा जिला के बीच टकराव पे इस बारे



को छोट पोड़ा किया। कांगड़ा रथा देहु  
नेताओं वि. मुस्लिम नेताओं से बेधन  
संदेशों की कोणियों ली परत जाम  
मुस्लिमों रथा हिन्दूओं को पास लाए लो  
प्रयास नहीं किया। सांघर्षाचिक देहा  
के चरणों से इस हड़ी को बढ़ावे में  
ही का लाभ किया। 1940 के दशक  
में युजानों में मुस्लिम लोगों को  
कम छोटे मिलने के कारण अपनी  
लिपि मजबूत करने हेतु सांघर्षाचिक  
राजनीति का सदाचार लिया। कैबिनेट  
मिशन के उपर्योगी परिस्थितियां तैयार  
हो गई कि एक आतंक अलंकव लगाए  
जाए। अफगानिस्तान में क्रिटिक  
दृष्टि के बहते पुजार को आतंक तक  
पहुँचने के शोषण हेतु पाकिस्तान का  
विचार क्रिटिक रथा अमेरिका को भी  
आरक्षा करना था।

अधिपि सामुदायिक व्यवस्था को  
नियंत्रित कर, और सामुदायिक सोडाएं  
को बढ़ाकर राष्ट्रीयता की गावा के  
विभास कर विभास से पूर्व परिवर्तियों  
को नियंत्रित किया जा सकता है।  
लिटेल अपेक्षा अपेक्षा छप के पाइस्टर  
का उपयोग नहीं करता हो चाहिए।  
विभास एक विकल्प भी।

62

जब यहि रसोवे न होता तो फ्रांस की क्रांति न होती।

Do you think, the French Revolution would not have happened if Rousseau was not there?  
 (अंक 12.5) (लम्बा 200)

रेप्रोलिमिन ने फ़्रांसिस्टि क्रांति को छोड़ा  
 की दूर मात्रा है। रसोवे के अनुहाव  
 मामले स्वतंत्र पेंडा होता है नहीं।  
 उसका अधिक स्वतंत्र होता नहीं।  
 वह प्रयोग दुष्ट अधिकारी का  
 द्योग के हाथ दुरुस्त तथा चिन्हाएँ हैं।  
 रसा के इस ने अधिक स्वतंत्र है।  
 रसोवे के अनुहाव नालालीन बोडी का  
 राज रसोवे के राज की अधिकारी नहीं  
 हो रही है। रसोवे हात अधिकारी  
 अधिकारी का द्योग, दृष्टि का द्योग  
 सामा जिसा का भाग ऐसे अनाव  
 वातावरण का नियमित कर दे दो  
 तो राज को छल्म करा अधिकारी

अधिकारी  
 गिरि के द्योग  
 द्योग अधिकारी  
 अधिकारी का  
 द्योग अधिकारी  
 द्योग अधिकारी

६।

वर्तमानी में कौनसी साज़ वर्गों के  
कंठ छुड़ा था। आम जरूर पर करो को  
कीज़ था। एवं व्यवस्था भृष्ट रहा  
जाती रही। उपलब्धिक पदों की  
विकल्पी की जाती रही। अतः आधिक  
दाताओं के वर्ग भी तथा यज्ञा

निरंतुष्ट ६।

इसी अवस्था में उत्तो के  
विचारों ने आम अवता को २०८५  
को ल्योग समझाया। समस्ता, उपर्युक्ता  
तथा भृष्टित्व के विचारों के द्वारा  
लोकतंत्र से अवगत करवाया। विना  
अवभावितारी के कुल की ज्ञानीया की  
कल्पना भी ऐसी की जा सकती थी।  
अवता को जाग्रत करने तथा उन्हें



यह भूमि  
नहीं लिखें।  
(Don't write  
anything in  
this part)

निर्माण द्वारा योग्य को उत्तरांश छोड़ा  
की अला बदले ने दी।

प्राचीन एवं नवीन योग्य को परामर्श दिया।  
अलानी बदले 35 प्राचीनों को उत्तरांश दिया।  
मत लिखा।

(11/2)



१. औद्योगिक क्रांति आरम्भ से ही अशांति व मनव्य के जीवन की आधारभूत विशेषता बन गयी जिसने सभी क्षेत्र में नवीनता का सृजन किया-विवेचन करें।

From the beginning, the Industrial Revolution became the basic feature of unrest and human life, which created innovation in all fields. Discuss.

(अंक 12.5) (शब्द 200)

~~आंदोलिक क्रांति वर्णनः कृषि क्रांति व्यापारिक क्रांति, वैज्ञानिक क्रांति तथा परिवहन क्रांति का मिल जुला रूप है।~~

~~आंदोलिक क्रांति के पश्चात् यमाज नहीं मानव जीवन में व्यापक परिवर्ती आई।~~

~~आंदोलिक क्रांति के बाद दोनों ही राजादा उत्पादन, उत्पादा व्यापार तथा व्यापार लोगों की होड़ पड़ा की जलावाही खानाखानाएँ, उपनिवेशवाद के विविध क्रांति देशों की।~~

~~क्रांति के उत्तराधिक परिवर्तन के लाभों, उपयोगों, जलवायनों, विभागों तथा पर्यावरण विभागों के विकास के विविध असंकेतों निर्माण बढ़ाया है। मानव जीवन के क्षेत्रों में व्यापक परिवर्ती किए हैं। नियोजन, उत्पादन, परिवहन, उत्पादा लोगों की धूम्रता, तीव्र~~

प्रोलेट, आधिक दृष्टि, अधमती, एवं को  
संकेतण इन्धारि सभी आधिकारिक ग्राहित  
की वी देते हैं। व्यापक वैशासिक उद्योगों पे  
इन्हे और व्यापारियों का ज्ञाया तथा नीति की  
आवश्यकता नहीं ~~अवश्यक~~ है। इहि की ।  
वर्तमान के यह आधिकारिक ग्राहित ए-आर्ट  
के परिवर्तन होकर इंटरनेट तथा टेला इंटर  
के द्वारा की जाती है।  
सामृद्धि का शोग जीवन का शोग जीवन की है।

विद्युत के उपयोग नवीनी आधिकारिक  
ग्राहित की देते हैं। उद्योगों के  
विकास पर पर्यावरण को तीव्र लघा आया  
बेहतर कामों पर जोर दिया जा रहा  
गलयाम, वायुयान, मेडो तथा दायरपरिवृष्टि के  
सम्बन्ध में सामग्रे आया। अमेरिकी की ओर  
उपलब्धता तथा आवास की आवश्यकता के  
बहुमंजिला इमारतें बड़ी कार्रवाई। स्वास्थ्य  
आवश्यकताओं के विविक्षण विकिलों को  
ज्ञाया। बहती व्यापार आवश्यकताओं के

• एमी आर्मार  
• एमी  
• " नेवार्गो

प्र॒ व॒ व॒ व॒ व॒ व॒  
व॒ व॒ व॒ व॒ व॒

व॒ व॒ व॒ व॒ व॒  
व॒ व॒ व॒ व॒ व॒  
व॒ व॒ व॒ व॒ व॒

व॒ व॒ व॒ व॒ व॒  
व॒ व॒ व॒ व॒ व॒  
व॒ व॒ व॒ व॒ व॒

व॒ व॒ व॒ व॒ व॒  
व॒ व॒ व॒ व॒ व॒  
व॒ व॒ व॒ व॒ व॒

विचारक विवरणों 39 लीको  
भाग अंकन कोरिके देखता आवधारी नह  
हुदि की है। मानवीय आवश्यकता  
आधोगिक रूप से वस्त्र वैज्ञानिक समाजी रे  
समाजी नित नुतन हुद्ये के रूप हैं।

$$5 \frac{1}{2} \times \frac{1}{2}$$

10. क्या आप सहमत हैं कि वियना-समझौता एक तर्कसंगत और प्रतिष्ठापूर्ण व्यवस्था थी परन्तु राष्ट्रवाद की शक्ति को नजरअंदाज करना इसकी मुख्य त्रुटि थी?

Do you agree that the Vienna Agreement was a rational and imperative system, but the main drawback was ignoring the power of nationalism?

( अंक 12.5 ) ( शब्द 200 )

प्रश्न संख्या  
Question No.



प्रश्न  
पर्ती का  
(Dont write  
anything  
in this part)  
प्रश्न संख्या  
Question No.



इस भाग में  
कृपया न लिखें  
(Don't write  
anything in  
this part)

प्राचीन राजवंशों के विषय में इसका अध्ययन करने का उत्तम उद्देश्य है। इसका उद्देश्य यह है कि विद्यार्थी ने इन राजवंशों के बारे में ज्ञान प्राप्त किया है औ उनकी विवरणों को अचूक रूप से लिख सकता है। इसका उद्देश्य यह है कि विद्यार्थी ने इन राजवंशों के बारे में ज्ञान प्राप्त किया है औ उनकी विवरणों को अचूक रूप से लिख सकता है। इसका उद्देश्य यह है कि विद्यार्थी ने इन राजवंशों के बारे में ज्ञान प्राप्त किया है औ उनकी विवरणों को अचूक रूप से लिख सकता है।

11. समाजवाद मूलतः एक निराशा की गुहार थी, असहाय स्थितियों के खिलाफ उठा निषेध का स्वर था तथा आर्थिक क्षेत्र में न्याय की मांग थी- व्याख्या करें।  
 Socialism was originally a desolation of despair, was a tone of protest against helpless situations and demand of justice in the economic sector - explain.  
 (अंक 12.5) (शब्द 200)

काल मार्टि ने समाजवाद की विचारणा  
 को धूनीवार के विपरीत प्रचारित किया।  
 समाजवाद उपाय वथा वितरण पर  
 राज्य के अधिकार की बात करता है।  
 इस तथा उपरात के संकेतण का  
 विरोध करता है। अर्थात् वाद्या पर  
 यहाँ के अधिकार का समर्थन करता  
 है और वास्तविक समाज के सभी लोगों के कीच भलमता का  
 समाज करता पाहता है।  
 विद्युत ने जाहौं A समाजवाद  
 को बड़े विद्युत सत्ता विधयन की।  
 व्यापार का संकेतण कुछ हाँपों एवं ही  
 सीमित था। धूनीवादियों के दबाव तथा।



Alors il faut faire que ce soit  
quelque chose qui soit assez bon  
qui soit assez intéressant pour être vendu  
en tant qu'un travail bien fait et  
qui sera assez intéressant pour être vendu  
pour le plaisir des autres personnes  
qui sont intéressées à ce sujet.  
Et alors il faut faire que ce soit  
quelque chose qui soit assez bon  
qui soit assez intéressant pour être vendu  
en tant qu'un travail bien fait et  
qui sera assez intéressant pour être vendu  
pour le plaisir des autres personnes  
qui sont intéressées à ce sujet.  
Et alors il faut faire que ce soit  
quelque chose qui soit assez bon  
qui soit assez intéressant pour être vendu  
en tant qu'un travail bien fait et  
qui sera assez intéressant pour être vendu  
pour le plaisir des autres personnes  
qui sont intéressées à ce sujet.

Et alors il faut faire que ce soit  
quelque chose qui soit assez bon  
qui soit assez intéressant pour être vendu  
en tant qu'un travail bien fait et  
qui sera assez intéressant pour être vendu  
pour le plaisir des autres personnes  
qui sont intéressées à ce sujet.



समय के साथ समाजाद बनते  
विद्युत द्वे में इन गोलों को  
समाजाद - एवं पाचा ने समाजाद  
मिलित समाजाद, उत्तराधिक बनाया।  
की रफ़ अवृत्त हुई।

③

12.

सामान्यतः तुर्की को 'यूरोप का बीमार' माना जाता है, किंतु वर्तमान में स्वयं EU (यूरोपीय संघ) ही यूरोप का बीमार होता जा रहा है।

Turkey is generally called as the 'Sickman of Europe', but at present EU itself is becoming sick of Europe. Discuss. (अंक 12.5) (शब्द 200)

तुर्की की मंद अर्थव्यवस्था, तीव्र  
जनसंख्या वृद्धि, आंतरिक लगातारी, कम  
मानव विकास ~~प्रोडक्शन~~ तथा जीवन  
गुणवत्ता के कारण यूरोप का वीआर  
काहलाता है। संभवान्तर में  
यूरोपीय संघ का गठन किया गया।  
एकल व्यापार, एकल दृष्टि तथा  
स्वतंत्र परिवर्ष का विकास किया  
गया। परिवर्तन के दौरान में यूरोप (EU)  
को कई खंगालाओं और सामर्थ्य का लाभ  
प्रदान किया गया।

\* यूरोप का आर्थिक संकट के  
कारण यह वी अर्थव्यवस्था पर असर देता  
है जो अपना  
वी लालचार  
का लालचार  
करता है।

तुर्की  
||  
यूरोपीय संघ  
विकास  
||  
विकास के  
||  
प्रोडक्शन  
शास्त्रीय  
परिवर्ष  
विद्युतीय व्यापार  
जो परिवर्ष

यूरोपीय संघ  
वी लालचार  
का लालचार  
करता है।

प्रबल  
लोकोप्रिय  
प्रबल  
विद्युतीय व्यापार  
जो परिवर्ष

मुस्लिम वर्ष संघरण के कारण अधिक  
मात्र एकीकृत रूप बनाने का लक्ष्य था। देशभरी  
जाति जल गता भवित्व: देशभरी  
वथा आधिक धर्मादि की हो।  
+ इस वथा मुक्ति विवाद, उल्लिखित रूप  
इस विवाद को छुलझाने के पालन

रहा।

- अस्तिका वथा मध्य-पूर्व में अशास्ति के  
कारण शालामियों से जुड़ रहा है।
- आतंकवाद से पीछे छोता जा रहा  
है।
- राजकारी अवज्ञाकों के उदय ने युद्धीय  
संघ पर ज्युति लगा दिया है।

आधारिक जूली का जाक,  
कैलानियों का महातीप वथा दानुष्यवाद  
के बल पर विवाद करने वाला

राजनीति अब घापल खानाओं के  
बिंद कर अपना प्यान तख्या ले रहे हैं  
अधिक ध्येयीय होकर, ध्येयीय होकर होना  
विश्व के इत्याहि इन खानाओं को  
समाधान कर रहे हैं।

(4)

उत्तर के पूर्ण पूर्ण  
पूर्ण उत्तर

13.

जापान व जर्मनी में रेल-आधुनिकीकरण व औद्योगिक क्रान्ति का पर्याय बनों परंतु भारत में रेल

औपनिवेशिक हितों की पूर्ति का उपकरण अधिक साबित हुई।

In Japan and Germany, the railways became the example of modernization and industrial revolution, but in India, the rail proved to be more of colonial total. (अंक 12.5) (शब्द 200)  
Discuss.

जापान में रेलवे का आविष्कार वर्ष  
1864 में औद्योगिक क्रान्ति के बाहर  
हुआ। अंतर्रिक्त गाड़ों के वित्त उद्योगों  
के कर्त्ता माल पूर्ति, वेधार माल  
को बढ़ाने को बढ़ाने वाले, और व्यापारी के  
लिए अल्पपरिवहन द्वारा रेलवे ने आधुनिकीकरण तथा  
औद्योगिक क्रान्ति के सहयोग किया।  
जर्मनी में रेलवे का ज्ञा विस्तार बोयला  
लोहे लोहे उद्योग की सहयता होता  
किया गया। रेलवे द्वारा वेधार  
माल के वित्त वेधार कर्त्ता माल की  
पूर्ति को औद्योगिकीकरण में घोगाई  
दिया गया। दोनों दोनों के रेलवे तथा  
उद्योगों का विकास एक साथ नहीं  
*प्रारंभिक रूप से नहीं*  
*उद्योग विकास*

भारतीयों द्वारा किए गए |

1853 माले में रेलवे का विकास  
1854 के द्वितीय वर्ष में किया गया |  
रेलवे का मुख्य उपयोग काले माल  
को बहार हाही तक ले जाये, लैनालिफ्ट  
में बहार माल को गाड़ीये लाना तक  
ले ले किया गया | द्वितीय उपयोग  
रेल के लागत माल के उपयोग का  
विकास नहीं किया गया | माल को  
मात्र काले माल के आधिकारी नहीं  
बहार माल के बजाए के द्वय में ले  
देणा गया | रेलवे के द्वितीय शाखा  
के अधीन होने के लागत सेवा नहीं  
सहायता दायरी के परिवास में इन्होंने  
उपयोग किया शालन को भग्नात  
करे हेतु मात्र किया गया |  
उत्तर: माल में रेलवे भाल नहीं

रेलवे नहीं  
रेलवे नहीं  
रेलवे नहीं  
रेलवे नहीं  
रेलवे नहीं  
रेलवे नहीं  
रेलवे नहीं  
रेलवे नहीं

शुद्धिदा हेतु नहीं अपितु विरोध  
हितों की सुरक्षा तथा विस्तार का  
साधन पात्र - इसी बोले उत्पादन  
पर भूत्याकृति लियते शुल्क के  
काणे वह विद्यमान जगती हे बाहर आ  
उनके डारा रेलवे का उपयोग ए  
के बजाए था।

51

14. भारत में चाय एवं कपास की कृषि क्रमशः पूर्वी एवं पश्चिमी भागों में मुख्य रूप से संकेन्द्रित है। क्षेत्र विशेष में इन फसलों के उत्पादन हेतु उत्तरदायी विभिन्न कारकों एवं उत्पादन में आने वाली विभिन्न चुनौतियों की चर्चा करें।

In India, tea plantation and cotton production is mainly concentrated in the eastern and western part respectively. Discuss the various factors responsible for their production alongwith various challenges. (अंक 12.5) (शब्द 200)

~~चाय का पूरी भारत में संकेन्द्रित के मुख्य कारण चाय की पानी की अत्यधिक आवश्यकता होता है, जो उसे विशाली गरियों तथा ब्लैशिंग से निपटा रहता है। चाय के पानी की गड़ी में पानी का उल्लंघन नहीं हो सकता तथा उपचुप होना चाहिए। चाय का वातावरण तथा 15-20° तापमान विशेष चाय की परियाँ चाय की गड़ी होती है। चाय का वातावरण ऐसा ही है। चाय को लोडना वजा धार्यामिक उत्तरांकों के अनुसार होता है, अधिक घनत्व वाले पूरी भारत में अभियां लियों जाते हैं।~~

पानी का उल्लंघन नहीं हो सकता तथा उपचुप होना चाहिए।  
वातावरण का तापमान 15-20° तापमान  
पानी की गड़ी चाय की गड़ी होती है।  
चाय का वातावरण ऐसा ही है।  
चाय को लोडना वजा धार्यामिक  
उत्तरांकों के अनुसार होता है, अधिक  
घनत्व वाले पूरी भारत में अभियां  
लियों जाते हैं।

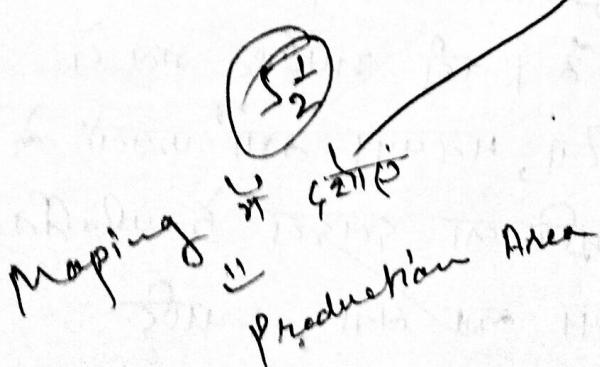
पानी का उल्लंघन नहीं हो सकता तथा उपचुप होना चाहिए।  
वातावरण का तापमान 15-20° तापमान  
पानी की गड़ी चाय की गड़ी होती है।  
चाय का वातावरण ऐसा ही है।  
चाय को लोडना वजा धार्यामिक  
उत्तरांकों के अनुसार होता है, अधिक  
घनत्व वाले पूरी भारत में अभियां  
लियों जाते हैं।

पुरातता है। वर्तावाली लम्बे के।  
 पाय एक पुरातात्वाकार था।  
 कल्पना द्वितीय पुरातात्वाकार था।  
 काली निवेश किया। पाय उद्घोष  
 पुरातात्वा द्वितीय पाय आधारित था।  
 कोल्पनाता बैंडरगाह के कारण था।  
 उत्तम उचिता प्रत्यक्ष्य था। नारत के  
 अवश्य अन्य गाँड़ों के साथ  
 कोल्पना मौजूद नहीं होते। पाय उद्घोष  
 मात्र यही नारत तथा गोलगांडी प्रदायनी।  
 तब ही इनिंग्स २५।

warm &  
moist

कपास के उत्पादन होते होते २५°C  
 ३५°C  
 २०-२५°C तापमात्रा, ३५% रुक्त  
 रुक्त, जीव १०० से ज्यादा छुप  
 बाले जीवों की आवश्यकता होती है। ६०-१००°C  
 दमका के पठार की काली मिही न  
 परिषिरी नारत के कपास को उत्पादन

वर्णन। तांत्रिक सूची वस्त्र उद्योग को  
तरीके हाँतों में लापित किया जाना था और  
जोड़ना के लाए अपना कुट्टा नहीं है।  
मुख्य रूप से गुजरात में सूची वस्त्र शीलों के  
होने ही क्षेत्र उत्पादन के लिए जारी किया जाता  
मिला था वही नियम है कि जोड़ना नहीं  
मुख्य बंदरगाह थी। यहाँ बिलास, उत्तर  
प्रदेश नया अधिकारी के साथ छवाई  
अभियान ने अभी ली समाज का धोधार  
को बढ़ाया। जिसमें धनी होने के लाए  
सूची का, नई तकनीकी का उत्तर  
उपरोक्त किया गया। पर्यावरणीय  
वायन, गृहा इमारतों का नया अस  
प्रयोग किया गया। पर्यावरणीय  
वायन के लाए उत्पादन उद्योग परिवर्ग  
में ज्यादा फैलीमुक्त हुआ।



पूरी नियम  
बृहि वी  
वायन की  
उत्पादन

15.

अपशिष्ट जल के निस्तारण अथवा प्रबंधन पर राजनीतिक एवं सामाजिक रूप से विशेष ध्यान नहीं दिया गया है, जबकि अपशिष्ट जल से न केवल स्वास्थ्य पर बल्कि आर्थिक क्रिया कलापों पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। भारत के विशेष संदर्भ में अपशिष्ट जल प्रबंधन हेतु उठाये जा रहे विभिन्न कदमों की विवेचना करें।

Waste water management receives too little social or political attention, through posses threat to human health as well as economic activities. With special reference to India, examine various measures being taken. (अंक 12.5) (शब्द 200)

~~अपशिष्ट जल नातीय उत्तर की एक ओर  
समझा है, जिसे सही प्रबंधन करा  
सकता है तो परिवर्तित किया जा सकता  
है। इस जल का उचित उपयोग नहीं  
प्रबंधन ना नियमित करा किया जाता  
है न वा इसे राजनीतिक प्रत्यक्ष रूप से विष्ये न  
आगामक है। मुख्यतया अपशिष्ट जल को  
अनुपचारित ही नदियों, झीलों, नदियों के निकट  
शहरों के जहर छोड़ किया जाता है। इसके  
पारे नाइट्रोजन, मार्फेनिक, शीषा, पारा तथा  
जलोराइड जैसे तत्व स्वास्थ्य पर निपटित  
प्रभाव डालते हैं। वही अपशिष्ट जल के  
उत्पन्न कीमतियाँ, भवित्वपूर्ण तथा फसलों के  
पर्याप्त होने, भूमि का उल्लंघन के परिवर्तित  
होना, औजाऊपूर्ण क्षेत्र होना, रोधार्दि~~

आधिक प्रगति की दर्शाते हैं। अधिक  
जली जी १०% अपरिष्ट जल  
भवनावाली दी है किन्तु निम्न कानून  
उठाए जा रहे हैं-

- \* कारबाहों हात जल को ३५% पर  
जल के उपरात दी देंड़ा जाए। कानून  
के अमरा ग्रन्थों को स्वामान्वयित  
किया जा रहा है।
- \* इनटाइल दे अपरिष्ट जल धरणा हेतु  
समझौता किया जाए है।
- \* अस्त घोला नवा टार्ट लिवी ओजना के  
तहत शहरी निवासों को जलप्रबंधी  
हेतु सहायता दी जा रही है।
- \* २० हीटि - नायांधिकाने के नियमों में  
अपरिष्ट जल के धरण पर रोक लगाया है।
- \* प्रदेश शहर में अल द्विं चंत्रों की  
स्थापना की जा रही है।

प्रृथिवी पर  
रासायनिक  
प्रौद्योगिक  
यांत्रिक  
प्रौद्योगिक  
भूल वा  
नियांत्रिक



गोदावरी अमर रेग्स के बाहर  
अलवल लकड़ी जूत विकलान की विकलान  
हैं। यह दी जाती है जूत की विकलान  
के बहुत सारे लाभ हैं जूत विकलान  
के लाभ की विकलान की विकलान की

EDII ]

52

16.

पेट्रो-रसायन उद्योग बहुती भारतीय अर्थव्यवस्था का एक अभिन्न अंग है। यह क्षेत्र मूलभूत जरूरतों को पूरा करने एवं जीवन की गुणवत्ता को सुधारने में प्रमुख भूमिका का निर्वहन करता है। इस क्षेत्र में विकास के मार्ग में आने वाली चुनौतियों एवं उसके समाधान हेतु सरकार द्वाया उठाये गये कदमों की समीक्षा करें।

Petro-chemical industry being an important aspect of growing Indian economy plays an important role in maintaining quality life by fulfilling fundamental needs. Examine the challenges along with measures taken by the government.

(अंक 12.5) (शब्द 200)

पेट्रो रसायन उद्योगों का विवाह  
पेट्रोलियम रिफारिंगों के ऊप-3-415  
उद्योग के हृप में होता है। क्षेत्र  
लाकोल, केरोसीन, मोटर तथा व्यापक  
रसायनों का इनके उत्पादन किया जाता है।  
पेट्रो रसायन उद्योगों के व्यापक भवनों में  
रोडगाड़ का सुन्दर किया जा रहा है।

पेट्रो रसायन उद्योगों का सुन्दर किया जा रहा है।

1

प्रश्न संख्या  
Question No.



इस भाग में  
कृत न लिखें  
(Don't write  
anything in  
this part)

प्रश्न संख्या 10  
प्रश्न संख्या 11  
प्रश्न संख्या 12  
प्रश्न संख्या 13  
प्रश्न संख्या 14  
प्रश्न संख्या 15  
प्रश्न संख्या 16  
प्रश्न संख्या 17  
प्रश्न संख्या 18  
प्रश्न संख्या 19  
प्रश्न संख्या 20  
प्रश्न संख्या 21  
प्रश्न संख्या 22  
प्रश्न संख्या 23  
प्रश्न संख्या 24  
प्रश्न संख्या 25  
प्रश्न संख्या 26  
प्रश्न संख्या 27  
प्रश्न संख्या 28  
प्रश्न संख्या 29  
प्रश्न संख्या 30  
प्रश्न संख्या 31  
प्रश्न संख्या 32  
प्रश्न संख्या 33  
प्रश्न संख्या 34  
प्रश्न संख्या 35  
प्रश्न संख्या 36  
प्रश्न संख्या 37  
प्रश्न संख्या 38  
प्रश्न संख्या 39  
प्रश्न संख्या 40  
प्रश्न संख्या 41  
प्रश्न संख्या 42  
प्रश्न संख्या 43  
प्रश्न संख्या 44  
प्रश्न संख्या 45  
प्रश्न संख्या 46  
प्रश्न संख्या 47  
प्रश्न संख्या 48  
प्रश्न संख्या 49  
प्रश्न संख्या 50  
प्रश्न संख्या 51  
प्रश्न संख्या 52  
प्रश्न संख्या 53  
प्रश्न संख्या 54  
प्रश्न संख्या 55  
प्रश्न संख्या 56  
प्रश्न संख्या 57  
प्रश्न संख्या 58  
प्रश्न संख्या 59  
प्रश्न संख्या 60  
प्रश्न संख्या 61  
प्रश्न संख्या 62  
प्रश्न संख्या 63  
प्रश्न संख्या 64  
प्रश्न संख्या 65  
प्रश्न संख्या 66  
प्रश्न संख्या 67  
प्रश्न संख्या 68  
प्रश्न संख्या 69  
प्रश्न संख्या 70  
प्रश्न संख्या 71  
प्रश्न संख्या 72  
प्रश्न संख्या 73  
प्रश्न संख्या 74  
प्रश्न संख्या 75  
प्रश्न संख्या 76  
प्रश्न संख्या 77  
प्रश्न संख्या 78  
प्रश्न संख्या 79  
प्रश्न संख्या 80  
प्रश्न संख्या 81  
प्रश्न संख्या 82  
प्रश्न संख्या 83  
प्रश्न संख्या 84  
प्रश्न संख्या 85  
प्रश्न संख्या 86  
प्रश्न संख्या 87  
प्रश्न संख्या 88  
प्रश्न संख्या 89  
प्रश्न संख्या 90  
प्रश्न संख्या 91  
प्रश्न संख्या 92  
प्रश्न संख्या 93  
प्रश्न संख्या 94  
प्रश्न संख्या 95  
प्रश्न संख्या 96  
प्रश्न संख्या 97  
प्रश्न संख्या 98  
प्रश्न संख्या 99  
प्रश्न संख्या 100



इस भाग में  
कृपा न लिखें  
(Don't write  
anything in-  
this part)

17. विश्व के कोयले के भंडार के रूप में एक प्रमुख राष्ट्र होने के बावजूद भारत को अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु कोयले का आयात करना पड़ता है। इस समस्या से संबंधित कारकों पर प्रकाश डालते हुए इसके समाधान हेतु सुझाव दें। India, being one of the largest coal reserve nation, imports coal for fulfilling its needs. Highlighting the problems, suggest measures to resolve it. (अंक 12.5) (शब्द 200)

भारत में कोयले की उपलब्धता  
महाराष्ट्र, पंजाब, छत्तीसगढ़, गोपनीय,  
उत्तरप्रदेश, राजस्थान, बंगाल, आंध्रप्रदेश तथा  
तेलंगाना में है। उपलब्धता उपलब्धता के  
कावजूद हम अपनी आवश्यकता का  
30% तक ज्यादा कोयला आयात करते हैं।  
इसके कारण है -

- \* पूर्व में अचित नीयता छद्म  
 भावनाओं नीति को अनाव।
- \* कोयला खद्म, परिवहन रथा गोदान  
 ज्यवद्या में भाल गुटाचार।

- \* कोयला संलग्नों की उच्चागो नहीं  
 जिसके लिए संघर्षों ने अनुच्छेद सुनिश्चित  
 बोल कर वाले संघर्षों की नीति।

- ★ लोह रेपा इलाज उद्योग हेतु उपयोग कोयले का उत्तम लेना। अतीव कम्पनी मुख्यतया ऐसे रेपा लिंगाजर हैं जिन्होंने नाम बदल दिया है। यहाँ अधिक नहीं उचित लगता है।

**वर्स्टों:** एस एंसेषनों की एवं अपितृ प्राणी एंसेषन की समझा ही जुम है। इनके उत्तम उत्तर विश्व उपाय बिंदु जो लगते हैं -

- ★ कोयला आवंटन, रसायन धार्ति तथा विद्युत संयंजी व लोह इलाज उद्योग को आवृत्ति हेतु पारदर्शक तंत्र होना चाहिए।

- उपर्युक्त तकनीकी का उपयोग आवंटन तथा दर्प्ति के होना चाहिए।

- कोयला क्षेत्रों ने अपेक्षित विवाहितों विनाश को उचित विकास के
- एंडोक्रोमट कोयले का पारदर्शक तंत्र

मृदु विनाश  
2015/16 ₹ 15  
3-प्र० विनाश  
(विनाश)

प्रायोगिक  
मृदु विनाश ₹ 10  
मुद्रित विनाश  
प्र० विनाश

प्रायोगिक  
"प्र० विनाश

प्रतिक्षयही लोगों पर नियमि होगा।  
परन्तु

6

18. आर्थिक विकास की प्रक्रिया के बावजूद जाति जैसी असमानता एवं शोषण पर आधारित जाति व्यवस्था की निरंतरता के कारणों का परीक्षण करें।

Examine the reasons for the continuity of caste system based on inequality and exploitation, although there is the presence of economic developmental process?

(अंक 12.5) (शब्द 200)

भारत के 90 के दशक के उपरान्त  
तीव्र आर्थिक वृद्धि दर्शिल की है लेकिन  
आज भी असमानता तथा शोषण आधारित  
जाति व्यवस्था की निरंतरता का निश्च  
कारण है →

• प्राचीन काल ~~से~~ जातियों का विभाजन  
तथा जातिगत वार्ता की उपस्थिति।

- इसी तथा जगहकर्ता के अन्वय में  
उचित व्यवस्था का विकास नहीं। शोषणात्मक  
तथा शोषण ओर्जना देने की ही।
- आर्थिक विकास के क्षेत्रीय तथा  
जातिय असमानता। मुख्यतया आर्थिक  
गतिविधियां शहरी तरफ सीमित। गांवों  
में छुटारी व्यवस्था आज भी विद्युतिवाली

(भिन्न भिन्न)  
(भिन्न भिन्न)  
मध्य भिन्न भिन्न  
दूसरी

दूसरी व्यवस्था  
भिन्न भिन्न  
भिन्न भिन्न  
भिन्न भिन्न

- + नागरिक जनविद्यालय शिक्षितात्मक, हाईकोर्ट के अधिकारी वा अधिकारी विविध विभागों के पास। जनविद्यालय शिक्षित विभाग के तहत दोनों शाखाएँ एकात्मीकृति के तहत दोनों शाखाएँ कार्य का भार विभाग विभाग कर पाएंगी।
- \* अस्थायिता, जारीनगत शोधणा की सामाजिक विविधता।
- \* विविल लोकार्थी, जीवविज्ञानी विविल इत्यादि की इस होनी में जग संस्कार तथा कम सक्षिप्ततां का होगा।
- \* कौशल विवाद के अवसर में कमजोर तथा निम्न जातियों द्वारा पाँचवें जातीयों में संलग्नता
- \* उच्च कर्मी जातियों द्वारा विविल उपर्युक्त तथा शोषण।
- + मानव संघर्ष में सर्वांग को रोकने के उपचारित प्रयत्नों को अन्वय।

विविल  
॥  
विविल  
जग  
विविल  
॥  
विविल  
विविल  
विविल  
विविल  
विविल  
जग

- \* आधिकार की वास्तविक भावना को आमजन तक पहुँच का भाव।
- \* अन्तर्राष्ट्रीय विनाहों, जी एफएसील बाधता नहीं होता।
- \* ग्रामीण बड़ों का जापिंग कृति के भालगा रह जाता।
- \* राजनीतिक उत्तराधिकार व्यापार जी आविष्कार का उद्योग होता।  
  
वर्तमान के इन संत्रिक्त हैं काढ़ी लार्ज जो रहा है। और अब जो नाकिल बढ़ा, चुनावोंमें, दूसरे अप शोजना, कोगल विकास तथा शिक्षा हार्द इस लकड़ी को डर दिया जो एकमात्र

62

19. नारी सशक्तिकरण संबंधी भारत सरकार की वर्तमान नीतियों की चर्चा करते हुए, इसका परिणामों पर पड़नेवाले प्रभावों को बताएँ?

Discuss the recent policy of Government of India related to women entrepreneurs and also discuss its effect on women. (अंक 12.5) (प्रश्न 200)

महिलाओं के अधिकारों के अवधारणा

वारी सशक्तिकरण हेतु निम्न आजीवन

देश का क्रियान्वयन की ओर है -

+ मुद्रा योजना के तहत अपनी ।

o 220 अपने 200 अप के तहत अपनी ।

o जमकांचल विकास योजना की अवधारणा

की अवधारणा ।

o PRI में 33% आवासों, दोस्री वर्ष विधान सेतु हेतु विचारणी ।

o मानव लाभ अधिकारों के तहत 26 अप्रैल

का मानव अवलोकन तथा गर्भालय लाभ ।

o उत्तरवाला योजना के तहत और अवधारणा

o महिला आमा हेतु मोबाइल में आपात करी,

'e-sheba', ऑफलाइन पर छुट्टा खालीन,

परिवहन लाभों में कमरे वा गोपीनाथ,

महिला पुस्तक वालिंगर जूडी ।

- + किसी एजेंसी जैसे प्र० बैगाले की  
अधारी योजना, राजस्थान की मुख्यमंत्री  
राष्ट्रीय योजना, ओडिशा की ममता योजना  
इत्यादि।
- 'ICDS' के तहत स्वास्थ्य विकास, मां  
योजना, किशोरी सब्जला योजना।
- 2006 के ज़ोड़ ब्यांग्न के पर्यावरण  
समस्त अवस्थाओं को सहिला कर्मित।

'ICDS', मां योजना (MRA),  
मातृत्व अवकाश, कौशल विकास से  
सहिला स्वास्थ्य विकास द्वारा तथा वार्षिक  
सहायिता करें। उत्तराखण्ड योजना  
सहिला को धूस से छुरकाए दिलाएँ।  
सहिला उद्योगों को सुरक्षा-सेंटर अप तथा  
गुरु योजना के तहत विशेष प्रोत्साहन  
मिलें। ३ दूसरे नया विधानसभा नाइजीर  
से राजनीति के सहिलाओं की आविष्कारी

दर्शक | शुद्धा प्रयोग वथा बोनसों से  
मिला हुआ होता।

प्रतीक्षित अवधि का नियम निम्नलिखित दो रूपों का  
प्रयोग, जिसे प्रयोग वथा RBCI  
समाज के साथ समझका इस है।  
भागिकों द्वारा करने की आनुवानिकता है।

प्रतीक्षित अवधि का नियम  
प्रयोग का अनुभाव  
→ प्रतीक्षित अवधि

(2) यह एक विविधता है।  
प्रतीक्षित अवधि का नियम उपरोक्त गोष्ठी

5.



20.

क्या धार्मिक पुनर्जीवन भारत की समीक्षणीयता के महसूस को बदल सकता है? या नहीं स्पष्ट करें।

"If Religious revivalism a new challenge to Indian model of revolution or not?"  
Explain.  
(Stm 12.5) (Stm 200)

~~भारत में धार्मिक पुनर्जीवन की विभिन्न विदेशी और भारतीय संस्कृति के द्वारा दर्शाया गया एक अवधि विभिन्न रूपों में आयी है। इसके द्वारा भारतीय संस्कृति को बढ़ावा दी गई है, जो इसके द्वारा दर्शाया गया है। इसके द्वारा भारतीय संस्कृति को बढ़ावा दी गई है। इसके द्वारा भारतीय संस्कृति को बढ़ावा दी गई है।~~

~~भारत में धार्मिक पुनर्जीवन की विभिन्न विदेशी और भारतीय संस्कृति के द्वारा दर्शाया गया एक अवधि विभिन्न रूपों में आयी है। इसके द्वारा भारतीय संस्कृति को बढ़ावा दी गई है, जो इसके द्वारा दर्शाया गया है। इसके द्वारा भारतीय संस्कृति को बढ़ावा दी गई है।~~

~~इसके द्वारा भारतीय संस्कृति को बढ़ावा दी गई है। इसके द्वारा भारतीय संस्कृति को बढ़ावा दी गई है। इसके द्वारा भारतीय संस्कृति को बढ़ावा दी गई है।~~

जाना पड़ता है। अब - कर्मी की  
राजनीति, समाज राजनीति द्वितीय जल  
संवर्धन वा संवेदनालील उद्दीप्त  
भाषणों द्वारा बोल्या जाए ॥  
तुल दिया जाकर आपदायक सद्वाच  
को जगजोग करना जाता है।  
धार्मिक पारियों जैसे अकाली दल,  
आदि, तथा छुट्टवाडी झंगों  
राजीव दिवों पर धार्मिक दिवों पर  
भप्पे दिलीच राजा होने विचार है ॥

गोदावरि के विभाग मार्गीय संघ की धर्मनिपेक्षता  
मूल अवस्थावा का भाग है। छुट्ट  
छुट्टपुर घट्टाचो के आधार पर धर्मनिपेक्षता  
को खतो ने ज्ञाना अनुभित है। नाईय  
संघीय दलों तथा राज्य संकार्ता  
द्वारा इस दृष्टि का पालन करती है।  
-मायपालिला इन धर्मों पर किसी भी

आमुन आ गाड़ी को नियम बदल  
होकर संतरे हो। सामाजिक व्यवस्था  
विविध रूपों वाला भाइर - नियम हो  
कर्मनिपेद्धति हो है

⑤